15

मछरी

पोखरिक पानि लगइए घोरल
ओहिमे चुभकि रहल अछि मछरी
चटा जाइए पानि पोखरिक
ओहिमे माछ कटइए घिघरी
भरल जलाशय भ्रमण करइए
बड़ा हर्ख सँ बन्हने पगड़ी

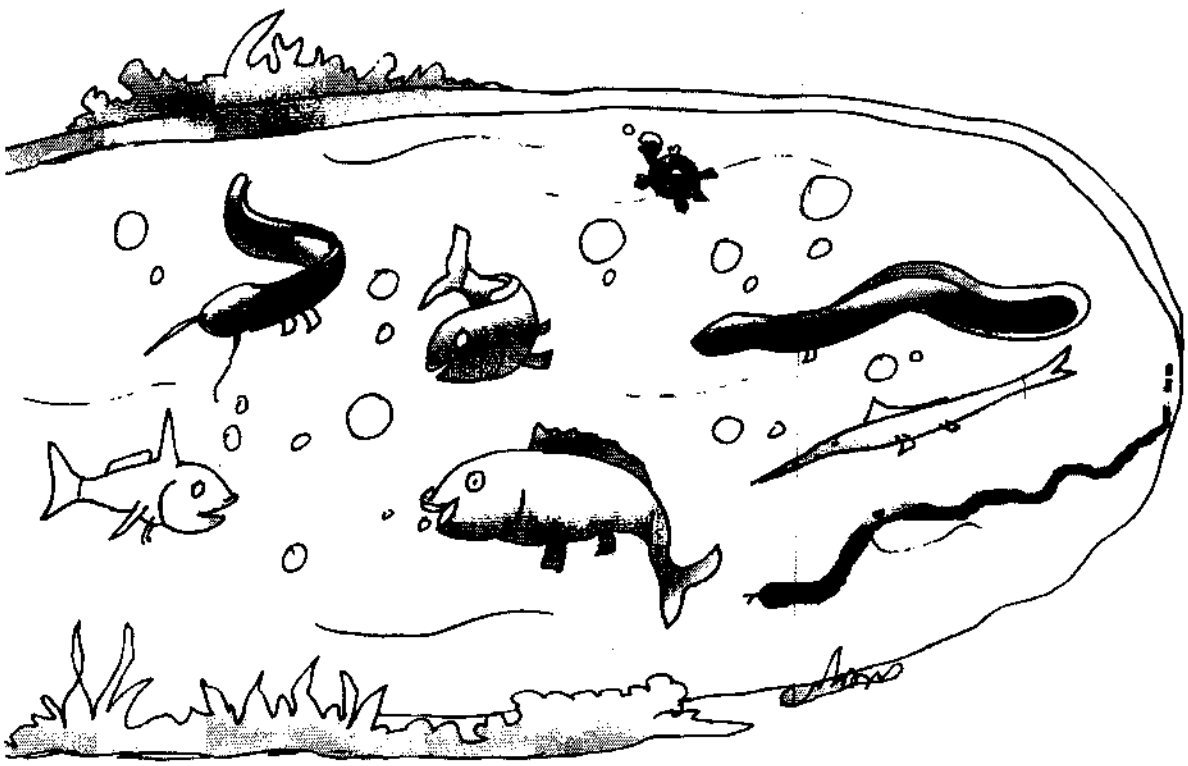

पानिक ऊपर थुथुन देखाबइ
कखनो झलका दइए पुछरी
रमकि रहल अइ छोट झुंडमे
ताकि रहल अइ खेरही अँकुरी
जखन हिलइए नाच रचइए
चाहइ दूर - दूर धरि ससरी
नहि चाहइए टंटा - बंटा
नहि चाहइए नोछरा - नोछरी
साफ पानि धरती पर अमरित
ओकरा साफ रखइए मछरी

– जीवकांत

प्रश्न ओ अभ्यास

1. शब्दक मेल

नीचाँ देल गेल शब्दक आगू चारि-चारि शब्द देल गेल अछि । एहि चारूमेसँ एकटा शब्द बेमेल अछि । ओ कोन शब्द अछि ? ओ आन शब्दसँ अलग कियेक अछि ?

पानि, वर्षा, मेघ, दरभंगा

पोखरि, पानि, बाघ, माछ, जाइठ

माछ, मनुक्ख, वानर, गाय

2. खाली जगहकेँ भरू

पोखरिक .... लगइए घोरल

ओहिमे चुभकि रहल अछि ....

चटा जाइए पानि ....

ओहिमे .... कटइए घिघरी

3. वाक्य बनाउ

पानि

माछ

साफ

धरती

4. चित्रकेँ रंगू

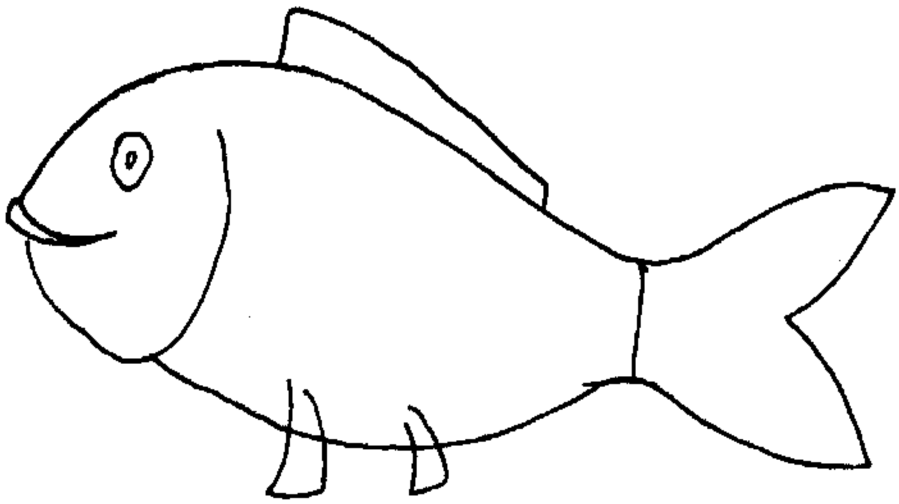

5. चारि तरहक माछक नाम लिखू

....

6. पेटक भरे चलनिहार तीन जन्तुक नाम लिखू

....

7. पोखरिक पानिमे रहनिहार तीन जन्तुक नाम लिखू

....

8. माछ पानिकेँ कोना साफ करैत अछि, विचार करू ।

माने जानू

अमरित	–	अमृत
जलाशय	–	पोखरि
भ्रमण	–	घूमब
चुभकि	–	हाथ पयर पटकि कय नहायब
थुथुन	–	मुँहक आगूक भाग

झुंड	–	समूहमे, दू चारि एक साथ
चटा जायब	–	सुखा जायब
हर्ख	–	खुशी
पुछरी	–	नाङरि
खेरही	–	मूंग
ससरी	–	पेटक भरे चलब ।
टंटा - बंटा	–	झगड़ा-दनि
नोछरा-नोछरी	–	नोक-झोंक
घिघरी	–	छटपटायब